मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–004

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-004 : निरुक्त एवं प्रातिशाख्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. निरुक्त का परिचय लिखिए।

2. निरुक्त के आधार पर चार पदों की सोदाहरण व्याख्या लिखिए।

3. भाषा विज्ञान के मौलिक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. पृथ्वी एवं अन्तरिक्ष स्थानीय देवताओं का स्वरूप लिखिए।

5. देवता आकार चिन्तन का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. वैदिक स्वरों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

7. प्रातिशाख्यों के अनुसार वेदाध्ययन प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए।

8. वृहद्देवता का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. उपसर्गों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

2. भावविकारों का वर्णन कीजिए।

3. निपातों का सोदाहरण परिचय लिखिए।

4. यास्क के निर्वचन सिद्धान्त का वर्णन कीजिए

5. मन्त्रों के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिए।

6. प्रातिशाख्यों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. प्रातिशाख्यों के अनुसार स्वर सन्धि का वर्णन कीजिए।

8. संक्षेप में अनुक्रमणी साहित्य का परिचय लिखिए।

× × × × ×